सबगुरु डिजिटल मीडिया प्लेटफार्म
फेसबुक पेज लिंक
https://www.facebook.com/sabgurunews/
वेबसाइट लिंक
https://www.sabguru.com/
यूट्यूब चैनल लिंक
https://www.youtube.com/channel/UCCcLf90UP-prqTinNwqUXZg/
English Article Link:
https://www.sabguru.com/en/the-role-of-dopamine-understanding-the-feel-good-hormone/

SABGURU NEWS

पो.रजि. नं. आरजे/एजे/211/2025-27

PRGI. No. RAJBIL/2023/88629

सबगुरु न्यूज

(राष्ट्रीय द्विभाषीय पाक्षिक)

मो.9887907277 Email ID sabgurunews@gmail.com Website https://www.sabguru.com

सम्पादक - विजय सिंह

खबरों के लिए स्कैन करें

वर्ष 3 | अंक 3 | अजमेर, शुक्रवार 25 जुलाई 2025 | मूल्य 5 रुपए | पृष्ठ-4

यस बैंक ऋण धोखाधड़ी मामले में अनिल अंबानी के ठिकानों पर ईडी के छापे

मुंबई। प्रवर्तन निदेशालय ;ईडी ने यस बैंक ऋण धोखाधड़ी मामले में देश भर में व्यापक तलाशी अभियान चलाया है जिसमें मुंबई के एक प्रमुख उद्योगपति से जुड़ी कई संपत्तियों को निशाना बनाया गया है। दिल्ली और मुंबई की ईडी टीमों ने गुरुवार को एक साथ लगभग 40 स्थानों पर तलाशी लीए जिसमें उद्योगपति का निजी निवास भी शामिल है। ये तलाशी अभियान रिलायंस अनिल धीरूभाई अंबानी समूह एडीए समूह के तहत कंपनियों के कार्यालयों पर केंद्रित था जो एक बड़े धन शोधन जांच का हिस्सा है। आधिकारिक सूत्रों ने पुष्टि की है कि यह कार्रवाई यस बैंक ऋण धोखाधड़ी मामले की चल रही जांच से जुड़ी हुई हैए साथ ही उद्योगपति के रिलायंस एडीए समूह के अंतर्गत आने वाली कंपनियों से संबंधित अन्य वित्तीय जांच से भी जुड़ी है। तलाशी विशेष रूप से एडीए समूह

की कंपनियों के कार्यालयों पर केंद्रित थी। यह कार्रवाई भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड ;सेबी राष्ट्रीय आवास बैंक ;एनएचबी राष्ट्रीय वित्तीय रिपोर्टिंग प्राधिकरण ;एनएफ आरए बैंक ऑफ बड़ौदा और दो अलग.अलग केंद्रीय जांच ब्यूरो ;सीबीआई की प्राथमिकी ;एफ्आईआर सहित कई एजेंसियों से प्राप्त जानकारी पर आधारित थी। उन्होंने बताया कि जांच का केंद्र 2017 और 2019 के बीच यस बैंक द्वारा स्वीकृत ऋणों में से लगभग 3000 करोड़ रुपए के कथित अवैध डायवर्जन का मामला है। अधिकारियों को संदेह है कि यह धनराशि एडीए समूह की कंपनियों तक पहुंचने से पहले बैंक के प्रवर्तकों से जुड़ी संस्थाओं के माध्यम से भेजी गई थी।

विशेष रूप से रिलायंस होम फाइनेंस लिमिटेड ;आरएचएफएल ऋण वितरण में भारी उछाल के कारण जांच के दायरे में है जो वित्त वर्ष 2018 में 3742.6 करोड़ रुपए से बढ़कर वित्त वर्ष 2019 में 8670.8 करोड़ रुपए हो गया। ईडी यस बैंक के पूर्व अधिकारियों और एडीए समूह के अधिकारियों की संदिग्ध भूमिका से जुड़े संभावित रिश्वतखोरी संबंधों की भी जांच कर रही है। कथित तौर पर कई वरिष्ठ अधिकारियों से पूछताछ की जा रही है। अभी तक कोई आधिकारिक बयान जारी नहीं किया गया है।ईडी ने यह छापेमारी की कार्रवाई भारतीय स्टेट बैंक ;एसबीआई द्वारा उद्योगपति और रिलायंस कम्युनिकेशंस ;आरकॉम को रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया ;आरबीआई के मानदंडों के तहत धोखाधड़ी वाले खाते घोषित किए जाने के कुछ हफ़्ते बाद हुई है।

13 जूनए 2025 को एसबीआई ने औपचारिक रूप से केंद्रीय बैंक को मामले की सूचना दी और सीबीआई में शिकायत दर्ज कराने की तैयारी कर रहा है।आरकॉम वर्तमान में कॉर्पोरेट दिवाला समाधान प्रक्रिया ;सीआईआरपी से गुज़र रही है पर एसबीआई का 2227.64 करोड़ रुपए का मूलधन और 786.52 करोड़ रुपए की अतिरिक्त गारंटी बकाया है। बैंक ने उद्योगपति के खिलाफ व्यक्तिगत दिवालियेपन की कार्यवाही भी शुरू कर दी है।

मुंबई ट्रेन विस्फोट : सुप्रीम कोर्ट ने 12 दोषियों को बरी करने के फैसले पर लगाई रोक

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने वर्ष 2006 के मुंबई ट्रेन विस्फोट मामले में दोषी सभी 12 लोगों को बरी करने के बम्बई उच्च न्यायालय के 21 जुलाई के फैसले पर गुरुवार को रोक लगाते हुए कहा कि फ़िलहाल उन्हें गिरफ्तार नहीं किया जाएगा।न्यायमूर्ति एमएम सुंदरेश और न्यायमूर्ति एन कोटिश्वर सिंह की पीठ ने इस संबंध में आदेश पारित किया। पीठ ने सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता की उस याचिका को स्वीकार कर लिया जिसमें कहा गया था कि हाईकोर्ट के फैसले को अन्य लंबित महाराष्ट्र संगठित अपराध नियंत्रण अधिनियम ;मकोकाद्ध मामलों में मिसाल नहीं माना जाएगा।शीर्ष अदालत ने महाराष्ट्र सरकार द्वारा उच्च न्यायालय के फैसले की वैधता को चुनौती देने वाली एक विशेष अनुमति याचिका पर संबंधित सभी आरोपियों को नोटिस जारी किया। पीठ ने इस दलील पर गौर किया और स्पष्ट किया कि उच्च न्यायालय के फैसले को मिसाल

नहीं माना जाएगा।उच्च न्यायालय ने सोमवार 21 जुलाई 2025 को फैसला सुनाया था। उसने विशेष मकोका अदालत के वर्ष 2015 के फैसले को पलटने हुए उसके उस आदेश को खारिज कर दियाए जिसमें पांच आरोपियों को मौत की सज़ा और सात को आजीवन कारावास की सजा सुनाई गई थी।मकोका अदालत ने कमाल अंसारी ;अब मृतद्धए मोहम्मद फैसल शेखए एहते.शाम सिद्दीकीए नवीद हुसैन खान और आसिफ खान को मौत की सजा सुनाई थी। अदालत ने तनवीर अहमद इब्राहिम अंसारीए मोहम्मद माजिद शफ़ीए शेख मोहम्मदए मोहम्मद साजिद मरगूब अंसारीए मुजम्मिल अताउर रहमान शेखए सुहैल महमूद शेख और ज़मीर अहमद शेख को आजीवन कारावास की सजा सुनाई थी। मुंबई की लोकल ट्रेनों में 11 जुलाईए 2006 को सात बम विस्फोट हुए थे। इस घटना में 189 लोग मारे गए थे और 820 लोग घायल हुए थे।

राजस्थान हाईकोर्ट में एक न्यायाधीश, छह अतिरिक्त न्यायाधीश नियुक्त

जयपुर/नई दिल्ली। राजस्थान हाईकोर्ट के लिए एक न्यायाधीश और छह अतिरिक्त न्यायाधीशों की नियुक्ति की गयी है। इनमें छह अधिवक्ता और एक न्यायिक अधिकारी हैं। केंद्रीय विधि एवं न्याय मंत्रालय की ओर से मंगलवार को जारी अधिसूचना में ये जानकारी दी गई। अधिसूचना के अनुसार संदीप तनेजा अधिवक्ता, को न्यायाधीश नियुक्त किया गया। इसी प्रकार वरिष्ठ अधिवक्ता बलजिंदर सिंह संधू, बिपिन गुप्ता, संजीत पुरोहित, रवि चिरानिया और अनुरूप सिंघी को अतिरिक्त न्यायाधीश नियुक्त किया गया है। वहीं न्यायिक अधिकारी संगीता शर्मा को पदोन्नत कर अतिरिक्त न्यायाधीश बनाया गया है। अधिसूचना में कहा गया कि राष्ट्रपति भारत के संविधान के अनुच्छेद 224 के खंड 1 द्वारा प्रदत्त शक्ति का प्रयोग करते हुए बलजिंदर सिंह संधू, बिपिन गुप्ता, संजीत पुरोहित, रवि चिरानिया, अनुरूप सिंघी और संगीता शर्मा को वरिष्ठता क्रम में दो वर्ष की अवधि के लिए राजस्थान उच्च न्यायालय के अतिरिक्त न्यायाधीश के रूप में नियुक्त करते हैं। यह नियुक्ति उनके अपने-अपने पदों का कार्यभार ग्रहण करने की तिथि से प्रभावी होगी।

नए उप राष्ट्रपति के चुनाव के लिए तैयारियां शुरू, चुनाव आयोग जल्द घोषित करेगा कार्यक्रम

नई दिल्ली। चुनाव आयोग ने उप राष्ट्रपति पद से जगदीप धनखड़ के इस्तीफे के बाद इस पद के लिए निर्वाचन की तैयारियां शुरू कर दी हैं। आयोग ने बुधवार को जारी एक प्रेस नोट में कहा कि नए उप राष्ट्रपति के चुनाव के लिए उसने तैयारी शुरू कर दी है और तैयारी पूरी हो जाने के बाद चुनाव का कार्यक्रम जल्द से जल्द घोषित कर दिया जाएगा। आयोग ने कहा है कि चुनाव कार्यक्रम घोषित किए जाने से पहले की तैयारियों में निर्वाचक मंडल की सूची तैयार करनेए रिटर्निंग ऑफ़िसर तथा सहायक रिटर्निंग ऑफ़िसर तय करने और उप राष्ट्रपति पद के लिए पूर्व में हुए सभी चुनावों से संबंधित सामग्री जुटाने और उसकी जानकारी देने का काम शामिल है।

आयोग ने कहा है कि गृहमंत्रालय मंगलवार को एक गजट अधिसूचना के जरिए जगदीप धनखड़ के उप राष्ट्रपति पद से इस्तीफे की सार्वजनिक सूचना जारी कर चुका है। आयोग को संविधान के अनुच्छेद 324 के अंतर्गत इस पद के लिए चुनाव कराने का दायित्व प्राप्त है। उप राष्ट्रपति का चुनाव राष्ट्रपति तथा उपराष्ट्रपति चुनाव अधिनियम 1952 तथा तत्सम्बंधी 1974 के नियमों द्वारा निर्देशित होता है। उप राष्ट्रपति के चुनाव के लिए निर्वाचक मंडल में संसद के दोनों सदनोंए राज्य सभा और लोक सभा के सभी सदस्य शामिल होते हैं। उल्लेखनीय है कि धनखड़ ने स्वास्थ्य कारणों से सोमवार को अपना इस्तीफ़ा राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु को भेजा था जो तत्काल प्रभाव से मंजूर हो गया था।

जल परियोजनाओं की अभूतपूर्व घोषणाओं के कार्यों में धीमी प्रगति पर मंत्री सुरेश रावत खफा

लापरवाही बरतने और धीमी गति वाले अभियंताओं को सख्त कार्रवाई की चोतावनी

जयपुर। राजस्थान के जल संसाधन मंत्री सुरेश सिंह रावत ने जल परियोजनाओं की अभूतपूर्व घोषणाओं के कार्यों में धीमी प्रगति पर नाराजगी जताते हुए कार्यों की गति में तेजी लाने के निर्देश दिए और कहा है कि लापरवाही बरतने और धीमी गति वाले अभियंताओं की जिम्मेदारी तय कर सख्त कार्रवाई की जाएगी। रावत ने अध्यक्षता में गुरुवार को इंदिरा गांधी नहर भवन में जल परियोजनाओं की प्रगति को लेकर समीक्षा बैठक कहा कि मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में राज्य सरकार ने पेयजल और सिंचाई की पर्याप्त जलापूर्ति के लिए कई महत्वपूर्ण निर्णय लिए हैं। जल सम्बंधी अभूतपूर्व बजट घोषणाओं को शीघ्र धरातल पर उतारना विभाग की सबसे प्रमुख जिम्मेदारी है ताकि निर्धारित समय सीमा में प्रदेशवासियों को लाभ मिल सके।उन्होंने कार्यों में धीमी प्रगति पर नाराजगी जताई और कहा कि मुख्यमंत्री स्वयं जल संरचनाओं के निर्माण को लेकर नियमित समीक्षा कर रहे हैं। रावत ने परवन वृहद बहुउद्देशीय सिंचाई परियोजना की भौतिक प्रगति की भी समीक्षा की। उन्होंने परियोजना में बांध निर्माण पाइपलाइन डिग्गी निर्माण और अन्य कार्यों में गति बढ़ाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि परियोजनाओं में भूमि अधिग्रहण से प्रभावितों के पुनर्वास की व्यवस्थाओं का नियमित निरीक्षण सुनिश्चित किया जाए। कालीतीर लिफ्ट सहित सभी परियोजनाओं में डिग्गी निर्माण एवं अन्य कार्यों में गुणवत्ता से किसी भी प्रकार का समझौता नहीं होना चाहिए।उन्होंने वर्षा जल के सुनियोजित प्रबंधन करने के भी निर्देश दिए। उन्होंने बारिश से बांधों के भराव की जानकारी ली और सतर्कता और संवेदनशीलता से बचाव एवं राहत कार्य कराने के निर्देश दिए।

श्री रावत ने कार्यों के लिए विभिन्न प्रकार की स्वीकृतियों में अनावश्यक देरी नहीं करने के लिए निर्देशित किया। बैठक में जल संसाधन विभाग, इंदिरा गांधी नहर विभाग, सिंचित क्षेत्र विकास एवं जल उपयोगिता विभाग, एकीकृत ईआरसीपी की समीक्षा की गई। इनमें बजट 2024.25 और 2025.26 की घोषणाओं, परवन वृहद बहुउद्देशीय सिंचाई, अपर हाई लेवल कैनालए पीपलखूंट लिफ्ट सिंचाई एवं पेयजल, धौलपुर लिफ्ट, ईसरदा पेयजल,देवास, पार्वती नहर, साबरमती बेसिन, खमेरा लघु सिंचाई, हथियादेह के नहर निर्माण सहित विभिन्न जल परियोजनों की विस्तृत समीक्षा की गई।

सम्पादकीय

ऑनलाइन भुगतान के मामले में भारत के यूपीआई ने अमेरिका के वीजा को पीछे छोड़ा

हाल ही के समय में भारत विभिन्न क्षेत्रों में अंतरराष्ट्रीय स्तर पर नित नए रिकार्ड बना रहा है। कुछ क्षेत्रों में तो अब भारत पूरे विश्व का नेतृत्व करता हुआ दिखाई दे रहा है। भारत ने बैंकिंग व्यवहारों के मामले में तो जैसे क्रांति ही ला दी है। अभी हाल ही में आर्थिक क्षेत्र में बैंकिंग व्यवहारों के मामले में भारत के युनिफाईड पेमेंट इंटरफेस यूपीआई ने अमेरिका के 67 वर्ष पुराने वीजा एवं मास्टर कार्ड के पेमेंट सिस्टम को प्रतिदिन होने वाले आर्थिक व्यवहारों की संख्या के मामले में वैश्विक स्तर पर पीछे छोड़ दिया है। वैश्विक स्तर पर अब भारत विश्व का सबसे बड़ा रियल टाइम पेमेंट नेटवर्क बन गया है। भारत में वर्ष 2016 के पहले ऑनलाइन पेमेंट का मतलब होता था केवल वीजा और मास्टर कार्ड। वीजा और मास्टर कार्ड को चलाने वाली अमेरिका की ये दोनों कंपनिया पूरी दुनिया में ऑनलाइन पेमेंट का एकाधिकार रखती थीं। वीजा की शुरुआत अमेरिका में वर्ष 1958 में हुई थी और धीमे धीमे यह कंपनी 200 से अधिक देशों में फैल गई और ऑनलाइन भुगतान के मामले में पूरे विश्व पर अपना एकाधिकार जमा लिया। वैश्विक स्तर पर इस कम्पनी को चुनौती देने के उद्देश्य से भारत ने वर्ष 2016 में अपना पेमेंट सिस्टमए यूपीआई के रूप में विकसित किया और वर्ष 2025 आते आते भारत का यूपीआई सिस्टम आज पूरे विश्व में प्रथम स्थान पर आ गया है। यूपीआई पेमेंट सिस्टम के माध्यम से ऑनलाइन बैकिंग व्यवहार चुटकी बजाते ही हो जाते है। आज सब्जी वाले चाय वाले सहायता प्राप्त करने वाले नागरिक एवं छोटी छोटी राशि के आर्थिक व्यवहार करने वाले नागरिकों के लिए यूपीआई सिस्टम ने ऑनलाइन बैंकिंग व्यवहार करने को बहुत आसान बना दिया है। आज भारत के यूपीआई सिस्टम के माध्यम से प्रतिदिन 65 करोड़ से अधिक व्यवहार ;1800 करोड़ से अधिक व्यवहार प्रति माह हो रहे हैं जबकि अंतरराष्ट्रीय स्तर पर वीजा कार्ड से माध्यम से प्रतिदिन 63.9 करोड़ व्यवहार हो रहे हैं। इस प्रकार भारत के यूपीआई ने दैनिक व्यवहारों के मामले में 67 वर्ष पुराने अमेरिका के वीजा को पीछे छोड़ दिया है। भारत में केंद्र सरकार की यह सबसे उल्लेखनीय उपलब्धियों में से एक है। भारत अब इस मामले में पूरी दुनिया का लीडर बन गया है। भारत ने यह उपलब्धि केवल 9 वर्षों में ही प्राप्त की है। विश्व बैंक एवं अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष ;आईएमएफ ने भी भारत के यूपीआई सिस्टम की अत्यधिक प्रशंसा करते हुए कहा है कि यह नई तकनीकी का चमत्कार है एवं यह सिस्टम अत्यधिक प्रभावशाली है। भारत का यूपीआई सिस्टम भारत को वैश्विक बैंकिंग नक्शे पर एक बहुत बड़ी शक्ति बना सकता है। भारत में यूपीआई की सफलता की नींव दरअसल केंद्र सरकार द्वारा चलाई गई कई आर्थिक योजनाओं के माध्यम से पड़ी है। समस्त नागरिकों के आधार कार्ड बनाने के पश्चात जब आधार कार्ड को नागरिकों के बैंक खातों से जोड़ा गया और केंद्र सरकार द्वारा देश के गरीब वर्ग की सहायता के लिए चलाई जा रही विभिन्न योजनाओं के अंतर्गत सहायता राशि को सीधे ही नागरिकों के बैंक खातों में जमा किया जाने लगा तब एक सुदृढ़ पेमेंट सिस्टम की आवश्यकता महसूस हुई और ऑनलाइन पेमेंट सिस्टम के रूप में यूपीआई का जन्म वर्ष 2016 में हुआ। यूपीआई को आधार कार्ड एवं प्रधानमंत्री जनधन योजना के अंतर्गत बैंकों में खोले गए खातों से जोड़ दिया गया। नागरिकों के मोबाइल क्रमांक और आधार कार्ड को बैंक खातों से जोड़कर यूपीआई सिस्टम के माध्यम से आर्थिक एवं लेन.देन व्यवहारों को आसान बना दिया गया। भारत में आज लगभग 80 प्रतिशत युवा एवं बुजुर्ग जनसंख्या का विभिन्न बैकों के खाता खोला जा चुका है। यूपीआई के माध्यम से केवल कुछ ही मिनटों में एक बैंक खाते से दूसरे बैंक खाते में राशि का अंतरण किया जा सकता है। ऑनलाइन पेमेंट सिस्टम के रूप में यूपीआई के आने के बाद तो अब भारत के नागरिक एटीएम कार्ड डेबिट कार्ड एवं क्रेडिट कार्ड को भी भूलने लगे हैं। भारत से बाहर अन्य देशों में रहने वाले भारतीय मूल के नागरिक भी अपनी बचत को यूपीआई के माध्यम से अपने परिवार के सदस्यों के बैंक खातों में ऑनलाइन राशि का अंतरण चंद मिनटों में कर सकते हैं। पूर्व में बैंकिंग चेनल के माध्यम से एक देश के बैंक खाते से दूसरे देश के बैंक खाते में राशि का अंतरण करने में 2 से 3 दिन का समय लग जाता था तथा विदेशी बैकों द्वारा इस प्रकार के अंतरण राशि पर खर्च भी वसूला जाता है। अब यूपीआई के माध्यम से कुछ ही मिनटों में राशि एक देश के बैंक खाते से दूसरे देश के बैंक खाते में अंतरित हो जाती है। इससे भारतीय रुपए का अंतरराष्ट्रीयकरण भी हो रहा है। विश्व के अन्य देशों में पढ़ाई के लिए गए छात्रों को अपने खर्च चलाने एवं विश्वविद्यालयोंमहाविद्यालयों में फीस की राशि यूपीआई सिस्टम से जमा कराने में बहुत आसानी होगी।

जेनेटिक स्कोर से मोटापे की हो सकेगी भविष्यवाणी

लंदन। वैज्ञानिकों ने 50 लाख से अधिक लोगों के आनुवांशिक आंकड़ों के आधार पर एक शक्तिशाली जेनेटिक स्कोर विकसित किया है जो बचपन से ही मोटापे के खतरे की भविष्यवाणी कर सकता है और माता.पिता समय से कदम उठाते हुए अपने बच्चों को इस समस्या से बचा सकते हैं। पॉलीजेनिक जोखिम स्कोर ;पीआरएस जिसे पॉलीजेनिक इंडेक्स या जेनेटिक जोखिम स्कोर के रूप में भी जाना जाता है एक संख्या है जो किसी विशिष्ट बीमारी या लक्षण के लिए किसी व्यक्ति के जोखिम पर कई आनुवंशिक वेरिएंट के अनुमानित प्रभाव को सारांशित करती है। यह अनिवार्य रूप से यह मापता है कि किसी व्यक्ति का वंशानुगत जोखिम उसकी आनुवंशिक संरचना के आधार पर अन्य लोगों से कितना भिन्न है।

पीआरएस की गणना आमतौर पर बड़े पैमाने पर जीनोमिक अध्ययनों के आधार पर की जाती है जिसमें रोगग्रस्त और रोगरहित समूहों की तुलना की जाती है। पीआरएस यह दर्शाते हैं कि किसी व्यक्ति का आनुवंशिक जोखिम अन्य लोगों की तुलना में कैसा है। पीआरएस कुछ बीमारियों के लिए उच्च जोखिम वाले व्यक्तियों की पहचान करने में मदद कर सकता है जिससे पहले और अधिक लक्षित हस्तक्षेप संभव हो सकेगा। बिटेन के कोपेनहेगन और ब्रिस्टल विश्वविद्यालयों के नेतृत्व में यह नया शोध से हुआ है। वैज्ञानिकों ने यह स्कोर आनुवांशिकी जानकारी के आधार पर गणना करके तैयार किया है और इसमें व्यक्ति के परिवार के बारे में आनुवांशिक जानकारी को शामिल किया गया है कि माता पिता दादा दादी मोटापे से ग्रस्त थे या नहीं। इससे यह पता चलता है व्यक्ति में मोटापे का खतरा कितना अधिक या कम है। यह स्कोर शरीर के बॉडी मास इंडेक्स ;बीएमआई को भी वरीयता देता है।

बॉडी मास इंडेक्स ;बीएमआई एक संख्या है जो किसी व्यक्ति के वजन को उनकी ऊंचाई के अनुपात में मापता है और यह बताता है कि क्या उनका वजन सामान्य कम वजन अधिक वजन या मोटापे से ग्रस्त है। यह टेस्ट पांच वर्ष की उम्र से पहले ही मोटापे के खतरे का आकलन कर सकता है जिससे जीवनशैली में बदलाव और अन्य उपायों की मदद से बच्चों को मोटा होने से बचाया जा सकता है।वर्ल्ड ओबेसिटी फेडरेशन का अनुमान है कि वर्ष 2035 तक वैश्विक आबादी का आधे से अधिक हिस्सा अधिक मोटापे से ग्रस्त हो जाएगा। हालांकि जीवनशैली में बदलाव सर्जरी और दवाओं और उन्य उपायों के कारण यह बात सभी देशों पर लागू नहीं हो सकती।ब्रिस्टल विश्वविद्यालय में महामारी विज्ञान के एसोसिएट प्रोफेसर एवं इस शोध के लेखक डॉ. केटलिन वेड ने कहा कि मोटापा एक प्रमुख सार्वजनिक स्वास्थ्य मुद्दा है। आनुवांशिकी, वातावरण,जीवनशैली और व्यवहार समेत कई ऐसे मुद्दे हैं जो इसके लिए जिम्मदार हैं। ये कारक एक व्यक्ति के जीवन में भिन्न हो सकते हैं और हमें लगता है कि इनमें से कुछ बचपन में उत्पन्न होते हैं।

दिन हुए छोट,वैज्ञानिक हैरान

कैलिफ़ोर्निया। इस साल गर्मी के मौसम में पृथ्वी की गति तेज़ होने के कारण दिन थोड़े छोटे हो गए हैं जिसने वैज्ञानिकों को समय की गणना पर खासा ध्यान देना पड़ा है।

इंटरनेशनल अर्थ रोटेशन एडं रेफ्रेंस सिस्टम्स सर्विस और अमरीकी नौसेना वेधशाला के आंकड़ों से पता चला है कि गत 10 जुलाई अब तक का सबसे छोटा दिन थाए जो 24 घंटे से 1.36 मिलीसेकंड कम दर्ज किया गया। एक चौंकाने वाली बात यह भी सामने आई कि 22 जुलाई को दिन 24 घंटे से 1.34 मिलीसेकंड छोटा रहा। यही नहीं अनुमान है कि आगामी पांच अगस्त का दिन भी 24 घंटे से 1.25 मिलीसेकंड कम हो सकता है।वैज्ञानिकों के अनुसार एक दिन की लंबाई वह समय है जो धरती अपनी धुरी पर एक पूरा चक्कर काटने में लेती है। यह औसतन 24 घंटे या 86400 सेकंड होता हैए लेकिन वास्तव मेंए चंद्रमा का गुरुत्वाकर्षण बल धरती पर मौसमी बदलाव और पृथ्वी के आंतरिक कोर के असर जैसी चीजों के चलते धरती का घूमना थोड़ा आगे पीछे हो जाता है। इसका असर यह पड़ता है कि एक पूरा चक्कर आमतौर पर 86400 सेकंड से थोड़ा कम या अधिक समय लगता है . यह अंतर केवल मिलीसेकंड का है जिसका रोजमर्रा के जीवन पर कोई प्रभाव नहीं पड़ता है।

ये अंतर लंबे समय में कंप्यूटर उपग्रह और दूरसंचार पर असर डाल सकते हैं यही कारण है कि 1955 में शुरू की गई परमाणु घड़ियों का उपयोग कर समय के सबसे छोटे बदलाव को भी दर्ज कर लिया जाता है। कुछ विशेषज्ञों का मानना है कि इससे वाई2के समस्या जैसी बात सामने आ सकती है जिससे कभी कम्प्यूटर प्रणाली को ही ठप कर देने का खतरा पैदा कर दिया था। परमाणु घड़ियां एक निर्वात कक्ष में रखे परमाणुओं के दोलनों की गणना करके 24 घंटों की गणना अत्यंत सटीकता से करती हैं। ये समय.निर्धारण के लिए वैश्विक मानक हैए साथ ही यह वह समय भी है जिस पर हमारे सभी फ़ोन और कंप्यूटर सेट होते हैं।

पिछले सालए 5 जुलाई को पृथ्वी ने अब तक का सबसे छोटा दिन देखाए जो 24 घंटे से 1.66 मिली सेकंड कम था। स्क्रिप्स इंस्टीट्यूशन ऑफ़ ओशनोग्राफी में भूभौतिकी के एमेरिटस प्रोफ़ेसर और कैलिफ़ोर्निया विश्वविद्यालयए सैन डिएगो में एक शोध भूभौतिकीविद् डंकन एग्न्यू ने कहा कि 1972 से हम थोड़े तेज़ दिनों की ओर बढ़ रहे हैं। पिछले 50 वर्षों सेए पृथ्वी का तरल कोर भी धीमा हो रहा है जबकि उसके चारों ओर ठोस पृथ्वी की गति बढ़ रही है। इन प्रभावों के संयोजन को देखकर वैज्ञानिक यह अनुमान लगा रहे हैं कि क्या आने वाले दिन विशेष रूप से छोटे हो सकते हैं।

पर्वतीय पर्यटन स्थल माउंट आबू में होटल के रिसेप्शन में घुसा भालू

माउंट आबू। राजस्थान में पर्वतीय पर्यटन स्थल माउंट आबू में भालुओं की तादाद में हो रही बेतहाशा वृद्धि से जहां वन्यजीव प्रेमियों में खुशी है वहीं आये दिन आबादी क्षेत्र में भालुओं के बेरोकटोक विचरण करने से नागरिकों में चिन्ता का विषय बना हुआ है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार पर्यटन स्थल माउंट आबू में बुधवार को तड़के करीब तीन बजे ढुंढई रोड स्थित चौधरी गली में होटल ग्रीन व्यू के स्वागत कक्ष में भालू घुस आयाए जो दरवाजे को धकेलकर अंदर आकर स्वागत कक्ष में रखे सामान को सूंघने लगा।भालू के स्वागत कक्ष में घुसने का सारा वाक्या होटल में लगे सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गया। भालू स्वागत कक्ष में रखे सोफे पर चढ़कर अपने पेट की क्षुधा को शांत करने की मशक्कत के चलते कुछ खाने पीने का सामान ढूंढता रहा लेकिन कुछ विशेष नहीं मिलने पर करीब साढ़े चार मिनट तक भालू स्वागत कक्ष में ही मंडराता रहा जिसके बाद उसी दरवाजे से वापस चला गया। सूत्रों ने बताया कि भालू के आने के समय मौके पर स्वागत कक्ष में कोई नहीं था। अन्यथा कोई गंभीर हादसा हो सकता था।दूसरी ओर नक्की झील से अनादरा प्वाइंट की ओर जाने वाले मार्ग पर पर्यटकों ने मादा भालू एवं साथ में उसके एक बच्चे को निहारने का आनंद लिया। सुबह करीब साढ़े आठ बजे पर्यटक सड़क पर चहलकदमी करते हुए वादियों में छाई हरियाली की चादर के साथ प्राकृतिक सौंदर्य को निहारने का आनंद ले रहे थे कि अचानक अनादरा प्वाइंट की ओर जाने वाले सड़क मार्ग के किनारे बने एनीकट के समीप एक मादा भालू सड़क पर अपने नवजात बच्चे के साथ विचरण करती दृष्टिगोचर हुई जो सड़क को पार करते हुए ऐनीकट से बहने वाले पानी के समीप झाड़ियों में खड़ी होकर जमीन को कुदेरते हुए कुछ खाने लगी। नवजात भालू भी उसके पास ही अठखेलियां करता रहा। बाद में भालू नाले को पार करते हुए आगे जाकर झाड़ियों में ओझल हो गया।

हरियाली अमावस्या : राजगढ़ धाम पर हुई कल्पवृक्ष जोड़े की पूजा

अजमेर। समीपवर्ती राजगढ धाम स्थित चक्की वाले बाबा के मंदिर पर में लगे

कल्पवृक्ष के जोड़े राजा रानी की हरियाली अमावस्या के शुभ अवसर पर धाम के उपासक चम्पालाल महाराज ने सपरिवार मंत्रोच्चारण के साथ विधिवत पूजा अर्चना की। पूजा के दौरान महाराज ने राजा रानी को वस्त्र धारण कराकर रक्षासूत्र बांधा। प्रसाद का भोग लगाने के बाद राजा रानी की आरती की गई। पूजा के बाद सभी ने कल्पवृक्ष जोड़े की परिक्रमा कर सुखद जीवन की कामना की। महिलाओं ने कल्पवृक्ष के जोड़े पर रक्षासूत्र बांधकर परिवार की खुशियों के लिए आशीर्वाद मांगा। श्रद्धालुओं व ग्रामीणों ने इस धार्मिक व पवित्र आस्था के पर्व हरियाली अमावस को उत्साह व श्रद्धाभाव से मनाया।रविवारीय मेले के दिन भी हजारों श्रद्धालु इस कल्पवृक्ष जोड़े की परिक्रमा कर मनोकामना मांगते है। इस दिन वृक्षारोपण का विशेष महत्व हैए जिसको देखते हुए राजगढ़ धाम पर हरियालो राजस्थान के तहत धाम परिसर के आसपास के स्थानों पर लगातार वृक्षारोपण किया जा रहा है। महाराज ने धाम पर आने वाले प्रत्येक श्रद्धालुओं से अपील की है कि वह अपने.अपने स्थानों पर कम से कम पांच वृक्ष जरूर लगाएं।

धाम पर व्यवस्थापक ओमप्रकाश सेन, अविनाश सेन, राहुल सेन, रमेश सेन, कैलाश चन्द, ताराचन्द, कपिलएसेन, सागर सेन, मुकेश सेन, यश, मिलन, युवराज, वैभव, भव्य, मिताली, वंशिका, बुलबुल, विष्णुकान्ता, पुष्पा, ड़िम्पल, खुशबू, रेखा,राजकुमार त्रिपाठी, विजय सिंह रावत, प्रकाश रांका, कमल शर्मा, कन्हैयालाल, देवानन्द, सत्यनारायण सेन, राजकुमार, अमिताभ, नवलकिशोर, पुनित, सुरेश, धर्मेन्द्रए कैलाश सेन, विष्णु सेन, बीएल गोदारा, राजू चावड़ा, उज्जवल राठौड़, कमलेश सुनारीवाल, पदम जैन आदि का योगदान महत्वपूर्ण रहा।

किशनगढ़ में मां भारती रक्षा मंच के कार्यालय का शुभारम्भ

किशनगढ़। सामाजिक एवं सांस्कृतिक संस्था मां भारती रक्षा मंच के कार्यालय का

बुधवार को सर्वोदय बाल निकेतन विद्यालय सांवत्सर में शुभारंभ किया गया। पंडित राजेंद्र आचार्य व पंडित पवन जोशी ने वैदिक मंत्रोच्चार के साथ गणेश व लक्ष्मी पूजन कराया। इसके बाद दीप प्रज्जवलित कर कार्यालय का शुभारंभ किया गया। इस अवसर पर संरक्षक लक्ष्मीनारायण सोनगरा, अध्यक्ष विनयसिंह चौहान, सचिव पवन जोशी, राजेन्द्र आचार्य, सुनील दाधीच, घनश्याम शर्मा, विनोद झंवर, महेंद्र सिंह, दीपक गोयल, धीरज सैनी, जसराज सैनी, श्याम मनोहर पाठक, महेश दायमा, संजय कोहली,प्राइवेट स्कूल एसोसिएशन के अध्यक्ष मनोज सेन, प्रवीण गुप्ता, गोपाल लड्ढा, योगेंद्र चतुर्वेदी, गोवर्धन विजयवर्गीय, महिला अध्यक्ष सरोज शर्माए संरक्षक नीतू बल्दवा, शिमला कुमावत, चंदा साहू आदि उपस्थिति रहे।इस मौके पर मां भारती रक्षा मंच की कार्यकारिणी की बैठक में तिरंगा रैली 13 अगस्त की सुबह निकालने का निर्णय लिया गया। तिरंगा रैली मां भारती रक्षा मंच एवं प्राइवेट स्कूल एसोसिएशन के संयुक्त तत्वावधान में निकाली जाएगी।चन्द्रशेखर आजाद के 119वीं जयंती पर्व पर देश भक्ति गीत प्रस्तुत किए गए। मंच की ओर से एक दिवसीय वन भ्रमण कार्यक्रम निर्धारित किया गया। कार्यक्रम का संचालन पवन जोशी ने किया।

150 करोड़ के क्लब में शामिल हुई सैयारा

मुंबई। यशराज फिल्मस ;वाईआरएफ के बैनर तले बनी फिल्म सैयाराने भारतीय

बाजार में 150 करोड़ रूपए से अधिक की कमाई कर ली है।मोहित सूरी के निर्देशन में बनी और वाईआरएफ के सीईओ अक्षय विधानी निर्मित सैयारा 18 जुलाई को सिनेमाघरों में रिलीज़ हुई है। इस फिल्म में अहान पांडे और अनीत पड्डा की मुख्य भूमिका है। फिल्म सैयारा सिनेमाघरों में लगातार शानदार प्रदर्शन कर रही है। अहान और अनीता की रोमांटिक केमिस्ट्री को दर्शक बेहद पसंद कर रहे हैं। सैयारा लगातार बॉक्स ऑफिस पर कमाई के नए.नए कीर्तिमान स्थापित कर रही है।ट्रेड वेबसाइट सैकनिल्क की रिपोर्ट के अनुसार फिल्म सैयारा ने पहले दिन भारतीय बाजार में 21 करोड़ रुपए की शानदार कमाई की। वहीं दूसरे दिन फिल्म ने 25 करोड़ तीसरे दिन 37.75 करोड़, चौथे दिन 24 करोड़ए पांचवे दिन 25 करोड़ का कारोबार किया।अब छठे दिन का कलेक्शन भी सामने आ गया है। सैकनिल्क की अर्ली रिपोर्ट के अनुसार फिल्म सितारे सैयारा ने छठे दिन 21 करोड़ रूपए की कमाई की है। इस तरह फिल्म सैयारा ने भारतीय बाजार में 150 करोड़ रूपए से अधिक की कमाई कर चुकी है।

जबरन धर्म परिवर्तन के विरोध में अब वकीलों ने भी मोर्चा खोला

अजमेर। हिन्दू से ईसाई बने पादरियों द्वारा बहला फुसलाकर व प्रलोभित कर जबरन धर्म परिवर्तन करवाने की घटनाओं के खिलाफ अब सकल समाज के साथ वकीलों के समूह ने भी मोर्चा खोल दिया है। गुरुवार को अजमेर बार एसोसिएशन अध्यक्ष अशोक रावत के नेतृत्व में कलक्टर के जरिए मुख्यमंत्री और गृहमंत्री को ज्ञापन भेजा गया।ज्ञापन में बताया गया है कि गरीब, असहाय, दलित, तथा बेबस लोगों को बहला फुसलाकर व धोखाधडी पूर्वक जबरन धर्म परिवर्तन करवाए जाने की घटनाएं तेजी से बढ रही हैं जो कि कानूनी रूप से गलत हैए विधि विरुद्ध तथा दंडनीय अपराध है।

कुछ दिनों पूर्व अजमेर में कुदन नगर निवासी सुनील दत्त पादरी जो की पूर्व में रिक्शा चालक था एवं वर्तमान में धर्म परिवर्तित कर ईसाई बन चुका है। वह छल कपट पूर्वक तरीकों से स्वयं को ईसा मसीह का दूत बताकर अंधविश्वास फैलाते हुए बीमार, गरीब व दलित लोगों को दैवीय शक्ति के नाम पर ठीक करने का दावा करता है साथ ही अपने पास बुलाकर उन्हें हिन्दू धर्म के देवी देवताओं के विरुद्ध अपशब्द व गाली गलौच कर भडकाता है। वह लोगों को कपट पूर्वक लालच देकर धर्म परिवर्तन करवा रहा है।पूर्व में भी गणेश नगर आदर्श नगर निवासी राम भारत चौहान पुत्र बालकिशन तथा माली मोहल्ला फॉयसागर रोड निवासी देवराज पुत्र भंवरलाल ने इसी बारे में दिनांक 23 मई 2025 को पुलिस महानिरीक्षक व पुलिस अधीक्षक को एक शिकायत पत्र देकर कानूनी कार्रवाई की मांग की थी जिसके विरुद्ध आज दिन तक कोई कानूनी कार्रवाई नहीं की गई। इससे इनके हौसले बुलंद होते गए एवं अब ये अपने दो अन्य साथी अमरचंद उबाना व राजेन्द्र डेविड के साथ बैखौफहोकर कानून की खिल्ली उडाते हुए युद्ध स्तर पर धर्म परिवर्तन करवा रहे हैं।इस काम में सुनील पादरी के दो पुत्र विमल दत्त व निर्मल दत्त जो की जवाहरलाल नेहरू चिकित्सालय में कंप्यूटर आपरेटर के पद पर कार्यरत हैं अपने साथी पाल बिचला निवासी मोहित शर्मा के साथ मिलकर अस्पताल में आए मरीजों को बिना दवाई ठीक होने का झांसा देकर ईसाई धर्म में परिवर्तन करने के लिए प्रोत्साहित कर रहे हैं। शहर में यह फर्जी पादरी गिरोह हिन्दू देवी देवताओं के विरुद्ध जहर उगलते हुए हमारी धार्मिक आस्था को ठेस पहुंचा रहे हैं।

ज्ञापन में मांग की गई है शहर में जहां भी अवैध धर्म परिवर्तन की आड में अनैतिक गतिविधियां चल रही है उन्हें रोका जाए अन्यथा सकल हिन्दू समाज अपने स्तर पर इन धर्म विरोधी विधर्मियों के खिलाफ एक्शन लेगा जिसकी समस्त जिम्मेदारी पुलिस प्रशासन की होगी। पुलिस की नाक के नीचे हो रहे धर्म परिवर्तन के खेल को कदापि स्वीकार नहीं किया जाएगा। ज्ञापन देने वालों में एडवोकेट दुर्गा प्रसाद शर्मा अनिल कुमार चौधरी रामस्वरूप कुडी धनश्याम सिंह चौहान शैलेन्द्र सिंह समेत कई अधिवक्ता व गणमान्यजन शामिल रहे।

अजमेर व उदयपुर सिटी रेलवे स्टेशनों को मिला ईट राईट सर्टिफिकेट

अजमेर। रेलवे के अजमेर मंडल के दो प्रमुख स्टेशनों अजमेर व उदयपुर सिटी को प्रतिष्ठित ईट राईट सर्टिफिक्रेट प्राप्त हुआ है। ईट राईट सर्टिफिक्रेट भारत सरकार के स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय और एफएसएसएआई फूड सेफ्टी एंड स्टैण्डर्ड ऑथोरिटी ऑफ़ इंडिया के कॉलोबेरेशन में दिया जाना वाला महत्वपूर्ण प्रमाणपत्र है जो कि एफएसएसएआई के खाद्य गुणवत्ता और मानकों के कडे मानदंडो को पूर्ण करने के पश्चात दिया जाता है।

इस कार्यक्रम को वर्ष 2018 से देश में लांच किया गया है। जिसे देश के विभिन्न रेलवे स्टेशनों के साथ ही उत्तर पश्चिम रेलवे पर मुख्य चिकित्सा निदेशक के आदेश से करवाने का लक्ष्य प्रधान कार्यालय द्वारा दिया गया था। उक्त प्रमाणीकरण के क्रम में सर्वप्रथम इन स्टेशनों पर स्थित फुड संस्थानों का एक्सटर्नल आडिटर द्वारा खाद्य ऑडिटिंग अलग-अलग पैरामीटर पर किया गया था। दूसरे चरण में कमियां होने पर सुधारात्मक कार्यवाही के पश्चात उक्त स्टेशनों पर कार्यरत सभी वर्किंग फुड हेंडलर्स को एफएसएसएआई द्वारा

निर्धारित बेसिक ट्रेनिंग एफएसएसएआई के प्राईवेट पार्टनर के द्वारा दिया गया और फाईनल ऑडिटिंग होने पर अजमेर और उदयपुसिटी रेलवे स्टेशन को उपरोक्त प्रमाणपत्र जारी हुए है। इस उपलब्धि में अपर मुख्य चिकित्सा अधीक्षक डॉ. अजीत सिंह तथा अजमेर मंडल के खाद्य संरक्षा अधिकारी मनोज सिन्हा की विशेष भूमिका रही।

मनोज सिन्हा द्वारा रेलवे स्टेशन उदयपुर व अजमेर में ईट राईट की प्रक्रिया वर्ष 2024 में प्रारंभ कर दी गई थी जिसमें एफएसएसएआई गोल्डन रूल लाईसेंसिंग, फूड हैंडलिंग, कलर कोडिंग अधारित गार्बेज क्लेक्शन, पेस्ट कंट्रोल आदि पर काम पूरा किया गया व कई स्टेंडर्ड पूरा हो जाने व फाईनल ऑडिटिंग के पश्चात एफएसएसएआई के द्वारा उक्त स्टेशनों पर प्रमाण पत्र प्रदान किए गए है।इस कार्यक्रम में मुख्य स्वास्थ्य निदेशक एव संयुक्त खाद्य संरक्षा आयुक्त.जयपुरए वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक अजमेर, एफएसएसएआई के मास्टर ट्रेनर, इआरआई अजमेर वर्कशाप स्थित फुड कैंटिन मैनेजरों स्टेट फुड आॉथोरिटी अजमेर आई आर सी टी सी प्रतिनिधी एवं रेलवे के अन्य स्वास्थ्य निरीक्षकों का भी महत्वपूर्ण योगदान रहा है।इसी तरह उदयपुरसीटी में एफएसएसएआई के मास्टर ट्रेनरऑडिटर, फूड हेंडलररर्स एसी एम एस.राणा प्रतापनगर, एआरओ स्टेशन अधीक्षक सीएमआई सीएचआई उदयपुर स्टेट फूड ऑथोरिटी उदयपुर का भी सहयोग रहा। अजमेर व उदयपुर सिटी को ईट राईट प्रमाणपत्र मिलने से रेल यात्रियो को रेलवे स्टेशनों पर गुणवत्तापूर्ण मानक पदार्थो की उपलब्धता सुनिश्चित हो सकेगी।ईट राईट प्रमाणपत्र की वैधता अजमेर व उदयपुर रेलवे स्टेशन पर दो वर्ष अवधि 30 जून 2025 से 29 जून 2027 तक रहेगी। मंडल रेल प्रबंधक राजू भूतड़ा ने मंडल के दो स्टेशनों को ईट राईट सर्टिफिक्रेशन को अजमेर मंडल की महत्वपूर्ण उपलब्धि बताया।

XXIX Announces $6 Million Financing

Toronto, Ontario–(Newsfile Corp. – July 24, 2025) – XXIX Metal Corp. (TSXV: XXIX) ("XXIX" or the "Company") is pleased to announce that it has entered into an agreement with Beacon Securities Limited ("Beacon") to act as lead agent and bookrunner, on behalf of a syndicate of agents to be formed (together with Beacon, the "Agents"), in connection with a "best efforts" private placement offering of up to 24,800,000 Ontario charity flow-through units (the "Ontario FT Units") at a price of $0.121 per Ontario FT Unit (the "Ontario FT Issue Price") and up to 22,730,000 Québec charity flow-through units (the "Québec FT Units" and, together with the Ontario FT

Units, the "Offered Securities") at a price of $0.132 per Québec FT Unit (the "Québec FT Issue Price") for combined gross proceeds to the Company of up to $6,001,160 (the "Offering").Each Ontario FT Unit will consist of one common share of the Company (an "Ontario FT Share") and one-half of one common share purchase warrant of the Company (each whole common share purchase warrant, a "Warrant") that will each qualify as a "flow-through share" for the purposes of the Income Tax Act (Canada) (the "Tax Act"). Each Québec FT Unit will consist of one common share of the Company (a "Québec FT Share, together with the Ontario FT Shares, the "FT Shares") and one-half of one Warrant that will each qualify as a "flow-through share" for the purposes of the Taxation Act (Québec) (the "Québec Tax Act").Each Warrant will entitle the holder thereof to acquire one non-flow-through common share of the Company (a "Warrant Share") at a price per Warrant Share of $0.12 for a period of 36 months from the closing of the Offering.

अखिल भारतीय राष्ट्रीय शैक्षिक महासंघ

महर्षि दयानन्द सरस्वती विश्वविद्यालय में गुरू वंदन कार्यक्रम

अजमेर। विद्या सीखना या पढ़ना इन दोनों में बहुत अंतर होता है। विद्या सीखने से हम कौशल युक्त हो जाते हैं जबकि पढ़ने से मात्र डिग्री प्राप्त होती है। गुरु एवं सद्गुरु में भी अंतर है। गुरु व्यक्ति न होकर व्यक्तित्व है तथा मूल भारतीय परंपरा में गुरु वह होता है जहां से आध्यात्मिक दिशा मिलती है किंतु आज शास्त्रोत्तर ज्ञान देने वाले गुरुओं से शिष्यों को बचाने की भी आवश्यकता है।

आध्यात्मिक की ऊंचाई में जाना वाला व्यक्ति किसी को डराता या श्राप का भय नहीं दिखाता है अपितु वह स्वयं शांत और स्थिर होता है। गुरु के पास दीक्षा के साथ सही दिशा प्राप्त करना महत्वपूर्ण है और झोलाछाप बाबाओ के चक्कर में पड़कर अपने जीवन को संकट में डालने से भी बचना चाहिए।ईश्वर की कृपा सदैव हमें प्राप्त होती है किंतु ईश्वर के चमत्कार की आशा न करके स्वयं के आत्मबल बुद्धि बल तथा विद्या के बल का ही आसरा लेकर स्वयं प्रयास करने से ही कार्य सिद्ध होते हैं।उक्त विचार चित्रकूट धाम पुष्कर के प्रधान उपासक पाठकजी महाराज ने अखिल भारतीय राष्ट्रीय शैक्षिक महासंघ की विश्वविद्यालय इकाई एवं अधिष्ठाता छात्र कल्याण के द्वारा आयोजित गुरु वंदन कार्यक्रम के मुख्य वक्ता के रूप में अभिव्यक्त किए। उन्होंने महाभारत एवं रामचरित मानस ग्रंथों के अनेक उदाहरणों के साथ उपस्थित जनसमुदाय की भ्रांतियों का निराकरण किया।इस अवसर पर महर्षि दयानंद सरस्वती विश्वविद्यालय के नवनियुक्त कुलगुरु प्रो.सुरेश कुमार अग्रवाल ने कहा कि ऐसा सुखद संयोग आज विश्वविद्यालय में बना है कि गुरु वंदन कार्यक्रम के दिन ही मेरे द्वारा इस विश्वविद्यालय में कार्यभार ग्रहण किया गया है। उन्होंने कहा कि वे इस अवसर पर विश्वविद्यालय को आगामी तीन साल की यात्रा में महर्षि दयानंद सरस्वती विश्वविद्यालय को राष्ट्रीय स्तर के शैक्षणिक संस्थान बनाने की कामना करते हैं एवं सभी के प्रयासों से यह आशीर्वाद आज गुरु वंदन कार्यक्रम के माध्यम से फलीभूत भी होगा। आज से यह यात्रा प्रारंभ हुई है और इस यात्रा के माध्यम से शिक्षक को गुरुत्व भाव में बदलने का यह शुभ अवसर प्राप्त हुआ है।इस अवसर पर प्रेरणास्पद उद्बोधन प्रदान करते हुए अखिल भारतीय राष्ट्रीय शिक्षक महासंघ के अखिल भारतीय अध्यक्ष प्रो नारायण लाल गुप्ता ने कहा कि गुरु वंदन कार्यक्रम नवाचार नहीं है बल्कि प्राचीन परंपरा को ही महाविद्यालयों एवं विश्वविद्यालयों में पुनर्जीवित करने का एक प्रयास है। यद्यपि विश्वविद्यालय में शिक्षक दिवस मनाया जाता है किंतु भारत की भूमि से उपजा शब्द गुरु यह आत्मनिवेदन का प्रतीक होता है तथा भारतीय शिक्षा के सर्वांगीण स्वरूप में अध्यात्म को शिक्षा से अलग नहीं किया जा सकता।आज गुरु को अपनी भूमिका को पुनः प्रतिष्ठापित करने की आवश्यकता है। गुरु एक परंपरा का वंदन है जबकि आधुनिक शिक्षा में विद्यार्थी एक उपभोक्ता होता है। भारतीय मूल्य हमें बताते हैं कि शिष्य कभी उपभोक्ता नहीं हो सकता अपितु वह भारत की महान गुरु परम्परा से प्राप्त ज्ञान का अनुगामी होकर उसे आगे बढ़ाने का माध्यम होता है। गुरु वंदन कार्यक्रम का उद्देश्य भटकाव के माहौल को हटाकर समन्वय की परंपरा को स्थापित करना है।

गुरूवंदन कार्यक्रम की शुभकामनाएं प्रेषित करते हुए एबीआरएसएम के प्रदेश अध्यक्ष प्रो मनोज बहरवाल ने कहा कि गुरु शिष्य परंपरा भारत की महान परम्पराओं में से एक है। इस अवसर पर गुरु वंदन कार्यक्रम का विषय प्रवर्तन एवं कार्यक्रम संचालन प्रो अरविंद पारीक ने किया।कार्यक्रम में आभार ज्ञापन करते हुए अखिल भारतीय राष्ट्रीय शैक्षिक महासंघ के प्रदेश उपाध्यक्ष एवं कार्यक्रम संयोजक प्रो. सुभाष चंद्र ने कहा कि वर्तमान में पृथ्वीराज चौहान शोधपीठ, महर्षि दयानंद शोधपीठ, सिंधु शोधपीठ, डॉ भीमराव अंबेडकर शोधपीठ एवं अन्य शैक्षिक विभागों के माध्यम से भारत को जगतगुरु के रूप में प्रतिष्ठित करने के उद्देश्य को लेकर विश्वविद्यालय का प्रत्येक व्यक्ति कार्यशील है तथा राष्ट्रीय शिक्षा नीति में प्रवृत्त गुरु शिष्य परंपरा और प्राचीन गुरुकुल परंपरा के अनुशीलन एवं आचरण करने के पवित्र उद्देश्य से अखिल भारतीय राष्ट्रीय शिक्षक महासंघ एवं महर्षि दयानंद सरस्वती विश्वविद्यालय के छात्र कल्याण विभाग द्वारा संयुक्त रूप से यह गुरु वंदन कार्यक्रम आयोजित किया गया है।इस अवसर पर विश्वविद्यालय की कुलसचिव प्रिया भार्गव, वित्त नियंत्रक नेहा शर्मा, पूर्व डीन छात्र कल्याण प्रो. प्रवीण माथुर, प्रो.ऋतु माथुर, प्रो सुब्रत दत्ता, प्रो.मोनिका भटनागर, प्रो शिवदयाल सिंह डॉ आशीष पारीक डॉ दीपिका उपाध्याय, परीक्षा नियंत्रक डॉ. सुनील टेलर, डॉ.सूरजमल रावए डॉ.तपेश्वर कुमार, डॉ. लारा शर्मा, प्रो, नरेश धीमान, डॉ. जितेन्द्र मारोठिया, निवर्तमान छात्र संघ अध्यक्ष महिपाल गोदारा सहित बड़ी संख्या में विश्वविद्यालय के अधिकारी अतिथि शिक्षक कार्मिक एवं विद्यार्थी उपस्थित थे।

रेप के दोषी को मृत्यु होने तक का कारावास

अलवर। राजस्थान में अलवर के यौन अपराधों से बच्चों का संरक्षण पोक्सो अधिनियम न्यायालय ;संख्या दोद्ध ने मूकबधिर किशोरी से दुष्कर्म के दोषी को बुधवार को मृत्यु होने तक के कारावास की सजा सुनाई।

विशिष्ट न्यायाधीश शिल्पा समीर ने अभियुक्त अशोक को मूक बधिर किशोरी से दुष्कर्म करने का दोषी मानते हुए उस पर ढाई लाख रुपए का जुर्माना भी किया।मामले के अनुसार अलवर के उद्योग नगर थाना क्षेत्र में 15 नवम्बर 2022 को मूक बधिर पीड़िता अपने घर अकेली सो रही थीए उसी दौरान अशोक उसके घर में जबरन घुस गया और अंदर से दरवाजा बंद करके उससे दुष्कर्म किया।

हरियाली अमावस्याः नाग पहाड़ पर उमड़ा श्रद्धालुओं का सैलाब

अजमेर। हरियाली अमावस्या के पावन अवसर पर गुरुवार को नाग पहाड़ स्थित ऐतिहासिक एवं सनातन धार्मिक स्थल पर हजारों श्रद्धालुओं ने आस्था के साथ परिक्रमा कर पुण्य अर्जित किया। राजस्थान गुर्जर महासभा द्वारा आयोजित आदि गुर्जर तीर्थ नाग पहाड़ परिक्रमा यात्रा में देवनारायण बोर्ड के अध्यक्ष ओमप्रकाश भड़ाना के नेतृत्व में बुजुर्गों मातृशक्ति युवाओं और बच्चों सहित हिंदू समाज के लोगों ने सहभागिता निभाई।भड़ाना ने लक्ष्मी पोल क्षेत्र में भगवान देवनारायण की पाठ ईंट प्रकट स्थली पर ध्वजारोहण कर पूजा अर्चना की। बगड़ावतों के गुरु रूपनाथ की धूणी पर भी विधिवत पूजन किया गया। उन्होंने इस तीर्थ को धार्मिक और सांस्कृतिक पहचान दिलाने की दिशा में प्रयास करने के लिए कहा। भड़ाना ने कहा कि नाग पहाड़ क्षेत्र को राज्य स्तरीय धार्मिक एवं पर्यावरणीय पर्यटन स्थल के रूप में विकसित किया जाना चाहिए। यहां का प्राकृतिक सौंदर्य ऐतिहासिक पृष्ठभूमि और आध्यात्मिक गरिमा इसे एक विशिष्ट तीर्थ

और पर्यावरणीय पर्यटन स्थल बनाने योग्य बनाते हैं। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार से इस संबंध में आग्रह कर नाग पहाड़ को अतिशय क्षेत्र घोषित करने के प्रयास किए जाएंगे। भड़ाना ने कहा कि लगभग 25 किलोमीटर लंबी यह तीर्थ यात्रा अत्यंत दुर्गम मार्ग से होकर गुजरती है। इस पर हजारों श्रद्धालु सुबह 4 बजे से ही यात्रा प्रारंभ कर देते हैं। उन्होंने कहा कि अगली हरियाली अमावस्या तक कम से कम 5 स्थानों पर मेडिकल टीमें पीने के पानी की समुचित व्यवस्था और पुलिस बल की तैनाती सुनिश्चित की जाएगी साथ ही यात्रा मार्ग को सुगम बनाने के लिए कार्य किए जाएंगे। इससे महिलाओंए बच्चों और बुजुर्गों के लिए यात्रा अधिक सुलभ बन सकेगी।भड़ाना ने कहा कि यह क्षेत्र गुर्जर बगड़ावतों की कर्मस्थली रहा है जो यहां गौ.पालन एवं गाय चराने का कार्य करते थे। लक्ष्मी पोल से भगवान देवनारायण के मंदिर के निर्माण के लिए ईंटें यहीं से लेकर जाई जाती थीं। ये इसकी पौराणिक महत्ता को दर्शाती है। यह क्षेत्र महर्षि विश्वामित्र अगस्त्य मुनि और राजा भर्तृहरि जैसे महान संतों की तपोभूमि भी रहा है। हरियाली अमावस्या मेले में स्थानीय ग्रामीणों एवं धार्मिक संगठनों द्वारा भंडारे जलसेवा और विशेष पूजा.अर्चना का आयोजन किया गया। इस अवसर पर धार्मिक संगठनों के प्रतिनिधिए सामाजिक कार्यकर्ता भंवरलाल चोपड़ा, लक्ष्मण गुर्जर, नितिन गुर्जर, विकास गुर्जर, अंकित गुर्जरए रामलाल गुर्जर, राजू गुर्जर चिताखेड़ा, विराट, तिक, भगवान, मनोज कालस, कैलाश खटाना, विराट, महेंद्र बागड़ी,मनीष भड़ाना, सुखपाल, सुरेंद्र फ्तेह सिंह सहित बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित रहे।

स्वदेशी गोला-बारूद के सफल परीक्षण से सेना को मिली नई ताकत

जैसलमेर। राजस्थान में जैसलमेर जिले के पोखरण फील्ड फायरिंग रेंज में स्वदेशी रूप से विकसित गोला.बारूद का सफल परीक्षण किया गया। आधिकारिक सूत्रों ने बुधवार को बताया कि इस परीक्षण को सदा आगे परियोजना के तहत अंजाम दिया गया जिसे भारतीय सेना और रक्षा अनुसंधान संगठनों की संयुक्त पहल माना जा रहा है। यह केवल एक तकनीकी उपलब्धि नहीं बल्कि मेक इन इंडिया और आत्मनिर्भर भारत् जैसी राष्ट्रीय पहलों के लिए प्रेरणादायक उपलब्धि है।भारतीय सेना लंबे समय से तोपखाने के लिए आयातित गोला.बारूद पर निर्भर रही हैए लेकिन अब स्वदेशी उत्पादन की दिशा में उठाया गया यह कदम आने वाले वर्षों में देश को सैन्य आपूर्ति में आत्मनिर्भर बना देगा। सेना के सूत्रों के अनुसार पोखरण में हुए ये परीक्षण अत्यंत सफल रहे और तय मानकों के अनुरूप सभी तकनीकी मानकों पर खरे उतरे। इससे अब भारत में ही तोपखाना गोला.बारूद का बड़े स्तर पर उत्पादन करने का रास्ता साफ हो गया है।सूत्रों के अनुसार यह गोला बारूद परीक्षण का उद्देश्य गोला-बारूद और अन्य रक्षा सामग्री के निर्माण में स्वदेशीकरण को बढ़ावा देना है। इस परियोजना के माध्यम से सार्वजनिक और निजी क्षेत्रों को रक्षा उत्पादन में भागीदार बनाया जा रहा है। इन परीक्षणों में इस्तेमाल किया गया गोला.बारूद पूरी तरह से देश में विकसित तकनीक से निर्मित किया गया है जिससे विदेशी कंपनियों पर निर्भरता कम होगी और बड़ी मात्रा में विदेशी मुद्रा की बचत भी होगी।पोखरण की धरती पहले भी परमाणु परीक्षणों और मिसाइल तकनीक के ऐतिहासिक परीक्षणों की गवाह रही है। अब एक बार फिर पोखरण भारत की रक्षा तकनीक में आत्मनिर्भरता का प्रतीक बन गया है। इस उपलब्धि के साथ यह भी सुनिश्चित किया गया है कि अब देश के निजी और सार्वजनिक दोनों क्षेत्र रक्षा उत्पादन में साथ आ सकेंगे। बड़े उद्योग समूहों के साथ.साथ मध्यम और लघु उद्योगों को भी तोपखाने के गोला.बारूद निर्माण में अवसर मिल सकेंगे। इससे न केवल रोजगार सृजित होंगे बल्कि रक्षा उत्पादन का एक विशाल घरेलू बाजार भी आकार लेगा।सेना के सूत्रों ने बताया कि परीक्षणों के बाद अब सेना की मांग के अनुसार बड़े स्तर पर स्वदेशी गोला.बारूद का उत्पादन किया जाएगा। इससे सेना को न केवल समय पर आपूर्ति मिलेगी बल्कि यह सुनिश्चित किया जा सकेगा कि जरूरत के वक्त भारत को किसी बाहरी देश की ओर न देखना पड़े। यह आत्मनिर्भरता सिर्फ कागज़ों पर नहींए अब जमीन पर दिखाई देने लगी है।परीक्षण के दौरान मौके पर मौजूद वरिष्ठ सैन्य अधिकारियों ने इसे ऐतिहासिक क्षण बताया और कहा कि यह भारत की रक्षा नीति में एक निर्णायक मोड़ है।

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक विजय सिंह ने मुद्रक किशन गुप्ता द्वारा इंडिया ऑफसेट प्रिंटर्स 419 ब्रह्मपुरी, जयपुर रोड से मुद्रित करवाकर कार्यालय 6/12 बी ब्लॉक हाउसिंग बोर्ड कॉलोनी पंचशील, अजमेर (राज.) से प्रकाशित किया। सम्पादक- विजय सिंह मो. 9887907277 (सभी विवादों का न्याय क्षेत्र अजमेर रहेगा)